दैनिक नवज्योति Ajmer City - 30 Sep 2021 - Page 6

वैज्ञानिक कृषि और उन्नत बीज से आगे बढ़ेगा किसान

नाबार्ड चेयरमैन डॉ. चिंतला ने राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र का किया निरीक्षण

कासं/अजमेर।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष डॉ. जी.आर. चिंतला ने कहा है कि वैज्ञानिक कृषि और उन्नत बीज से ही देश का किसान आगे बढ़ेगा। पिछले कुछ सालों में देश में कृषि क्षेत्र में काफी तरक्की हुई है। अब कृषि को बाजार और नवाचारों के मापदण्डों के अनुसार समग्र रूप से आगे बढ़ाना होगा। नाबार्ड ने इसके लिए रोडमैप तैयार किया है।

डॉ. चिंतला बुधवार को ब्यावर रोड स्थित राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र में भ्रमण कर कृषि वैज्ञानिकों, किसानों और विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि को नई सोच के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। कोरोनाकाल के बाद कई देशों में कृषि क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन सभी के समन्वित प्रयासों से फिर ये रफ्तार पकड़ने लगा है। सरकार का उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना है। नाबार्ड इसके लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रहा है। वैज्ञानिक कृषि, स्टार्टअप, उन्नत बीज, पर्याप्त फंडिग और ग्लोबल मार्केटिंग आदि के साथ काम किया जा रहा है। डॉ. चिंतला ने किसानों को एफपीओ बनाकर व सहकारी समितियों द्वारा संगठित होकर प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन के लिए परियोजना बनाकर आय दोगुनी करने की सलाह दी तथा फसलों में आई.पी.एम. मॉडल अपनाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एन. सक्सेना ने केन्द्र की स्थापना, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम में श्रीमती सुशीला चिंतला, जे. श्रीवास्तव (सीजीएम, नाबार्ड), श्रीमती शिल्पी जैन (डीडीएम) तथा अन्य कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक व उत्पादक तथा कृषक उपस्थित थे। संचालन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रविन्द्र सिंह ने किया।

'वैज्ञानिक कृषि से ही समृद्ध होगा किसान'

नाबार्ड चेयरमैन का सम्मान करते केन्द्र निदेशक डॉ. सक्सेना।

नाबार्ड चेयरमैन डॉ जी. आर. चिंतला ने राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र का किया निरीक्षण

अजमेर. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष डॉ. जी.आर. चिंतला ने कहा कि वैज्ञानिक कृषि और उन्नत बीज से ही देश का किसान आगे बढ़ेगा। पिछले कुछ सालों में देश ने कृषि क्षेत्र में काफी तरक्की की है। अब कृषि को बाजार और नवाचारों के मापदण्डों के अनुसार समग्र रूप से आगे बढ़ाना होगा। नाबार्ड ने इसके लिए रोडमैप तैयार किया है। इसके शानदार परिणाम हासिल होंगे।

उन्नति देगी नई सोच

नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ.जी.आर. चिंतला ने बुधवार को राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र में भ्रमण कर कृषि वैज्ञानिकों, किसानों और विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कृषि को नई सोच के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक कृषि, स्टार्टअप, उन्नत बीज, पर्याप्त फंडिंग और ग्लोबल मार्केटिंग आदि के साथ काम किया जा रहा है। इसके अच्छे नतीजे आ रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एन. सक्सेना ने केंद्र की स्थापना, गत वर्षों की उपलब्धि तथा भविष्य की योजनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम में सुशील चिंतला, जे.श्रीवास्तव (सीजीएम) नाबार्ड शिल्पी जैन (डीडीएम) तथा अन्य कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक व उत्पादक तथा कृषक उपस्थित थे। संचालन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ रविन्द्र सिंह ने किया।

कोरोना काल में कई देशों में गिरावट, भारत में बढ़ी कृषि

कोरोनाकाल के बाद कई देशों में कृषि क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई लेकिन भारत में कृषि क्षेत्र समन्वित प्रयासों से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का अंतिम उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना है। नाबार्ड इसके लिए संकल्पबद्ध होकर काम कर रहा है।

फसलों के आईपीएम मॉडल पर जोर

उन्होंने किसानों को एफपीओ बनाकर व को-ऑपरेटिव समितियों द्वारा संगठित होकर प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन के लिए परियोजना बनाकर आय दोगुनी करने की सलाह देने के साथ ही फसलों में आईपीएम मॉडल अपनाने पर जोर दिया। उपस्थित हितधारकों के सुझाव व प्रश्नों को ध्यान में रखकर बीजीय मसालों के उत्पादन तथा निर्यात को बढाने पर भी चर्चा की गई।